अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

हरिद्वार में पर्यटन हेतु नागरिक एवं सामाजिक सु वधाएं

प्रो. एल. बी. रावत -
पूर्व प्रचार्य
आर.एस.एम. (पी.जी.) कालेज
धामपुर (बिजनौर)

कैलाश सहं
शोध छात्र, भूगोल वभाग
आर.एस.एम. (पी.जी.) कालेज
धामपुर (बिजनौर)

सारः-

एक जीव के रूप में एक स्थान से दूसरे स्थान पर गमनागमन करना मनुष्य की प्राकृतिक आवश्यकता के साथ-साथ स्वभाव भी है। कभी वह अपनी नितान्त भौतिक आवश्यकताओं-भोजन व खाद्य पदार्थों के संकलन, पशुचारण, ईंधन के लए लक ड़यां एकत्रित करने तो कभी अपने मानवीय सम्बन्धों को निभाने के लए अपने निवासस्थल से दूर कृ ष खेतों, चरागाहों, वनों, खानों जलस्रोतों आदिक क ओर गमनागमन करता है। दूसरी ओर कसी द् वतीयक उद्देश्यों-रिश्तेदारी, व्यापार-वा णज्य, शक्षा व वद्यार्जन करने, स्वास्थ्य लाभ, मनोरंजन, सरकारी व राजकीय कार्यों से, नौकरी करने, धर्मार्थ यात्रा आदि के लए दूरस्थ स्थानों पर जाकर अपने उद्देश्यों को पूर्ण करता है। यद्य प इनमें से अ धकांश को आधुनिक पर्यटन या पर्यटक गति व धयां नहीं कहा जा सकता है कन्तु अपने स्वभाव से ही मनुष्य आदि काल से ही यात्राएं करता रहा है।

पर्यटन और पर्यटक/यात्री या सैलानी शब्द अंग्रेजी भाषा के शब्द ज्वनतपेउ – ज्वनतपेज का हिन्दी रूपान्तर है जिसका मूल शब्द ज्वनत – ज्वनतपेज है। यह शब्द लैटिन भाषा के शब्द ज्वतदवे से लया गया है। लैटिन शब्द ज्वतदवे का अर्थ पहिए के सदृश दिखने वाला यन्त्र होता है। इस प्रकार पर्यटन शब्द का अ भप्राय पर्यटक द्वारा एक पहिए की भाँति एक स्थान (अपने निजी निवास स्थान) से चलकर कई स्थानों से गोते हुए पुनः अपने मूल स्थान या पूर्ववर्ती स्थान पर वापस आने की समस्त क्रया-कलाप से होता है। वर्तमान समय में पर्यटन शब्द का प्रयोग व भन्न उद्देश्यों से व भन्न स्थानों की यात्रा, मनोरंजन, भ्रमण, पर्यटन तथा व भन्न राष्ट्रों व क्षेत्रों के स्थलों के भ्रमण, या यात्रा आदि करने के लए कया जाता है। इसमें भ्रमण करने वाले मानव को ही पर्यटक कहा जाता है। एक पर्यटक में उस स्थान के बारे में व्यापार, रोजगार, शक्षा, स्वास्थ्य पर्यावरण, मनोरंजन से सम्बन्धित पूर्ण जानकारी प्राप्त करने की लालसा रहती है।

कसी स्थान पर पर्यटन गति व धयों के वकास के लए प्राकृतिक और मानवीय अनेक कारकों, तत्वों, सु वधाओं और आकर्षणों का मौजूद होना और मानव द्वारा वहाँ पर पर्याप्तता में जुटाना आवश्यक होता है। कुंभनगरी और गढ़वाली उत्तराखण्ड का प्रवेशद्वार कहलाने वाले हरिद्वार में पर्यटन के वकास के लए प्राकृतिक कारकों के साथ-साथ अनेक मानवीय कारक भी प्रेरक की भू मका निभाते हैं। इनका सं क्षप्त ववरण अग्र प्रकार से हैः-

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

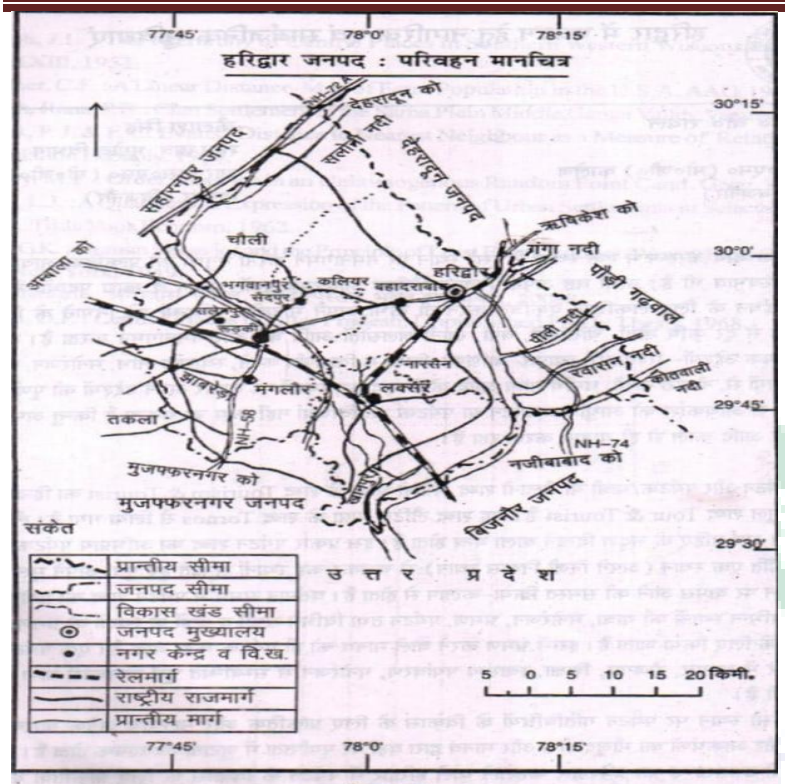

मानचित्र संख्या- 1

(1)यातायातः-

यातायात के साधनों की उपलब्धता पर्यटक स्थल और पर्यटकों दोनों के लए मौ लक आवश्यकता होती है। वर्तमान दौर में रेल, सड़क वायु, रज्जू मार्ग और जल परिवहन के साधन यातायात हेतु लगभग सर्वत्र उपलब्ध हैं। कसी भी क्षेत्र में परिवहन के साधन वहाँ के निवा सयों के आ र्थक वकास के लए अनिवार्य होते हैं जिनका वकास सरकारों (केन्द्र सरकार, राज्य सरकार, जिला पंचायत और स्थानीय निकायों) द्वारा कया जाता है। वद्युत, डीजल व पेट्रोल चा लत वाहनों- रेल, बस, कार, मोटरसाई कल, स्कूटर, ट्रक व अन्य भार व माल वाहक वाहनों की सर्वत्र उपलब्धता है। इनका संचालन रेलमार्ग, सड़क मार्ग आदि में कया जाता है।

अध्ययन के लए चयनित जनपद हरिद्वार दो राज्यों-उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड के लगभग मलन बिन्दु और हिमालय तथा गंगा के वशाल समतल मैदान के मलन बिन्दु पर स्थित है जो क स्वाभा वक रूप से ही दोनों क्षेत्रों की जनसंख्या की आवागमन की आवश्यकताओं को पूर्ण करता है। हरिद्वार जनपद के यातायात के साधनों का क्रमबद्ध ववरण अग्र प्रकार दिया जा सकता हैः-

(क) रेल यातायात-

हरिद्वार नगर में एक रेलवे जंक्शन तथा कई रेलवे स्टेशन व हाल्ट हैं जो उत्तर रेलवे मण्डल (मुख्यालय मुरादाबाद) के अन्तर्गत आता है। यह रेल मार्ग जो क शत प्रतिशत बड़ी रेल लाईन (ब्राड गेज) के रूप में है। संलग्न मान चत्र सं.-01 के अनुसार हरिद्वार जंक्शन से उत्तर की ओर

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

हिमालय क्षेत्र में देहरादून और ऋ षकेश को रेलमार्ग जाता है जो क उत्तराखण्ड में रेलवे लाईन की उत्तरवर्ती सीमा है। (वर्तमान में ऋ षकेश से बद्रीनाथ तक छोटी रेल लाईन बिछानने हेतु सर्वेक्षण का कार्य चल रहा है।) द क्षण दिशा में हरिद्वार से आने वाली रेल लाईन लक्सर में जम्मूतवी-मुरादाबाद-कोलकाता- डब्रूगढ़, नई दिल्ली-मुम्बई-चेन्नई-कुच्चीवली इत्यादि रेलमार्ग से जुड़ जाता है। देश के व भन्न स्थानों-भागों से देहरादून और ऋ षकेश जाने व आने वाली पैसेन्जर, मेल, एक्सप्रेस, शताब्दी, राजधानी, दूरान्तों, गरीबरथ आदि अनेक वर्गों न श्रे णयों की रेल गा ड़यां हरिद्वार जंक्शन से होकर गुजरती हैं।

रेल यातायात की सु वधा के कारण देश भर के कोने-कोने से तीर्थ यात्री सुगमता और कम व्यय में हरिद्वार आकर माँ गंगा के जल में स्नान करते हैं, कर्मकाण्ड व संस्कार समपन्न करने पुण्य कमाते हैं और धा र्मक पर्यटन को समपन्न करते हैं। आगामी सारणी सं. 1 में हरिद्वार जंक्शन से आने जाने वाली रेलगा ड़यों की सूची दी गयी है।

सारणी सं. 1 : हरिद्वार रेलवे जंक्शन की समय सारणी।

क्रम सं0	गाडी सख्या और नाम (अप और डाउन)	प्रस्थांन का समय		परिचालन दिवस	गन्तव्य या उद्गम स्थल
		अप गाडी	डाउन गाडी		
1	14119 / 14120 देहरादून एक्स	3:00 AM	0:07 AM	प्रतिदिन	काठगोदाम–देहरादून
2	12687 / 12688 देहरादून सु0 फा0	3:15 AM	8:45 AM	बु0 शनि0	मदुराई–देहरादून
3	12205 / 12206 नंदा देवी ए सी	3:57 AM	0:52 AM	प्रतिदिन	नई दिल्ली–देहरादून
4	14265 / 14266 देहरादून जनता एक्स.	4:20 AM	20:35 PM	प्रतिदिन	वाराणसी–देहरादून
5	13009 / 13010 दून एक्स.	5:30 AM	22:20 PM	प्रतिदिन	हावडा–देहरादून
6	14041 / 14042 मसूरी एक्स	6:35 AM	23:25 PM	प्रतिदिन	दिल्ली–देहरादून
7	14632 / 14631 देहरादून एक्स.	8:30 AM	22:20 PM	प्रतिदिन	देहरादून–अमृतसर
8	12091 / 12092 दून जनशताब्दी एक्स	11:17 AM	17:35 PM	सो. मं.बु.शु. शनि.	काठगोदाम– देहरादून
9	12017 / 12018 देहरादून शताब्दी एक्स	11:35 AM	18:12 PM	प्रतिदिन	नई दिल्ली –देहरादून
10	15001 / 15002 राप्ती गंगा एक्स.	12:05 PM	17:05 PM	मगल.	मुजफ्फरपुर–देहरादून
11	15005 / 15006 राप्ती गंगा एक्स	12:10 PM	17:05 PM	वृ. शनि.	गोरखपुर–देहरादून
12	19019 / 19020 देहरादून एक्स	3:10 PM	12:30 PM	प्रतिदिन	बान्द्रा ट0–देहरादून
13	22659 / 22660 देहरादून सु.फा	4:10 PM	07:55 AM	रवि.	कोचुवेली–देहरादून
14	12327 / 12328 उपासना एक्स.	4:10 PM	07:55 AM	बु. शनि.	हावड़ा–देहरादून
15	19565 / 19566 उत्तरांचल एक्स.	5:35 PM	23:42 PM	शनि.	ओखा–देहरादून
16	14317 / 14318 इन्दौर–देहरादून एक्स.	5:35 PM	07:55 AM	रवि. सो.	इन्दौर–देहरादून
17	14309 / 14310 उज्जैनी एक्स.	5:35 PM	07:55 AM	वृ. शु.	उज्जैन–देहरादून
18	54341 / 54342 सहारनपुर–देहरादून पै	6:05 PM	07:55 AM	प्रतिदिन	सहारनपुर–देहरादून
19	12055 / 12056 देहरादून जनशताब्दी	7:38 PM	06:30 AM	प्रतिदिन	नई दिल्ली–देहरादून
20	14605 / 14606 जम्मूतवी एक्स.	10:30 AM	17:05 PM	सो.	जम्मूतवी–हरिद्वार

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

21	14609/14610 हेमकुण्ट एक्स	17:45 PM	07:25 AM	प्रतिदिन	ऋषिकेश–जम्मूतवी
22	12063/12064 उना जनशताब्दी लिंक एक्स	2:45 PM		रवि. मं. शु.	उना–हरिद्वार
23	54476/54475 हरिद्वार दिल्ली पैसे.	4:10 AM	21:55 PM	प्रतिदिन	हरिद्वार–दिल्ली
24	54472/54471 ऋषिकेश दिल्ली पैसे.	2:30 AM	8:15 AM	प्रतिदिन	ऋषिकेश–दिल्ली
25	19032/19031 योगा एक्स.	12:10 PM	16:40 PM	प्रतिदिन	हरिद्वार–अहमदाबाद
26	19610/19609 उदयपुर सिटी एक्स.	10:30 AM	19:40 PM	रवि. मं. शु.	हरिद्वार–उदयपुर
27	18478/18477 कलिंगा–उत्कल एक्स.	6:10 AM	21:00 PM	प्रतिदिन	हरिद्वार–पुरी
28	22660/22659 कोचुवेली सु. फा. एक्स.	15:55 PM	7:55 AM	प्रतिदिन	हरिद्वार–कोचुवेली
29	12688/12687 मदुराई एक्स.	3:07 AM	8:45 AM	प्रतिदिन	हरिद्वार–मदुराई
30	19020/19019 मुम्बई बान्द्रा ट. एक्स.	15:10 PM	12:30 PM	प्रतिदिन	हरिद्वार–बान्द्रा
31	22918/22917 मु. बा. ट. सु. फा. एक्स.	15:50 PM	18:30 PM	वृ.	हरिद्वार–बान्द्रा टर्मिनल
32	12172 मुम्बई लो.मा.ति. ए.सी. सु. फा.	12:55 PM	18:30 PM	मं. शु.	हरिद्वार–लो. मा. तिलक ट.
33	12912 वलसाड़ सु. फा. एक्स.	16:15 PM	18:30 PM	बु.	हरिद्वार–वलसाड़
34	14711/12 श्री गंगानगर इन्टरसिटी एक्स.	13:40 PM	14:20 PM	प्रतिदिन	हरिद्वार– श्री गंगानगर
35	12053/12054 अमृतसर जनशताब्दी एक्स.	13:55 PM	14:45 PM	प्रतिदिन	हरिद्वार–अमृतसर
36	14718/14717 बीकानेर एक्स.	15:30 PM	16:25 PM	मं. वृ. शनि.	हरिद्वार–बीकानेर
37	24887/24888 बाड़मेर लिंक एक्स.	9:20 AM	19:10 PM	प्रतिदिन	हरिद्वार–बाड़मेर
38	15033/15034 रामनगर इन्टरसिटी एक्स.	14:45 PM	18:45 PM	रवि. वृ. शनि.	हरिद्वार–रामनगर
39	14120/14119 काठगोदाम एक्स.	3:00 AM	0:07 AM	प्रतिदिन	काठगोदाम–देहरादून
40	54464/54463 ऋषिकेश बांदीकुई पैसे.	10:00 AM	13:58 PM	प्रतिदिन	ऋषिकेश–बांदीकुई
41	14114/14113 लिंक एक्सप्रेस	10:57 AM	14:58 PM	प्रतिदिन	देहरादून–इलाहाबाद
42	14116/14115 इलाहाबाद एक्स.	14:15 PM	16:25 PM	सो. बु. शु.	हरिद्वार–इलाहाबाद
43	12328/12327 उपासना एक्स.	16:00 PM	23:42 PM	बु. शनि.	देहरादून–हावड़ा
44	12370/12370 कुंभ एक्सप्रेस	16:15 PM	23:50 PM	रवि. सो. मं. वृ. शु.	हरिद्वार–हावड़ा
45					

सारणी सं.1 से स्पष्ट है क तीर्थनगरी हरिद्वार उत्तर में जम्मूतवी, अमृतसर, ऊना, पश्चिम में अहमदाबाद, मुम्बई, ओखा, द क्षण में मदुराई, कोचुवेली (थरूअनन्तपुरम) तो पूर्व में पुरी, हावड़ा इत्यादि से रेलमार्ग और रेलगा ड़यों से जड़ा हुआ है। जम्मूतवी, अमृतसर, चण्डीगढ़, श्री गंगानगर, जयपुर, उदयपुर, बाड़मेर, अहमदाबाद, ओखा, मुम्बई, गोवा, मंगलौर, कोच्ची, थरूअनन्तपुरम, मदुराई, चैन्नई, बंगलौर, वजयवाड़ा, हैदराबाद, नागपुर, पुरी, हावड़ा, कोलकाता, पटना, मुजफ्फरपुर, गोरखपुर इत्यादि से सीधी रेल सेवाओं से तीर्थयात्री व पर्यटक हरिद्वार व उत्तराखण्ड के अन्य तीर्थस्थलों व पर्यटक स्थलों को रेल से आ व वापस जा सकते हैं। इसके साथ ही अन्य स्थानों से दिल्ली, लखनऊ या मुरादाबाद पहुँचकर वहाँ से रेल से या वायु मार्ग से भी तीर्थयात्री व पर्यटक-आगन्तुक हरिद्वार (जौलीग्राण्ट) आ सकते हैं। प्रतिदिन 40 से अ धक रेलगा ड़यां हरिद्वार से होकर व भन्न दिशाओं को जाती व आती हैं जिनमें लाखों श्रृद्धालु, यात्री और पर्यटक हरिद्वार आते हैं। मेलों, त्यौहारों व खास दिवसों पर ये सभी रेलगा ड़यां खचाखच भरकर चलती हैं। इसके अलावा सामान ढोने के लए

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

दर्जनों मालगा ड़यां-कंटेनर गा ड़यां भी प्रतिदिन हरिद्वार आती हैं तथा आगे ऋ षकेश व देहरादून तक जाती हैं।

(ख) वायु परिवहनः-

आ र्थक वकास और देश के अधःसंरचनात्मक वकास के क्रममें भारत सहित पूरे वश्व में सवारी और सामान के परिवहन में वायु यातायात का भी महत्व बढ़ गया है। समपन्न और उच्च दक्षता वाले वशेषज्ञों, प्रशासकों, राजनेताओं और अ धकारियों के लए प्रति मनट कीमती और अनमोल होता है। वायु परिवहन की सु वधा की उपलब्धता वर्तमान समय में कसी देश, समाज व व्यक्ति की आ र्थक-तकनीकी-वैज्ञानिक और वत्तीय मजबूती का प्रतीक होता है। भारत ने वायु परिवहन की दृष्टि से आशातीत प्रगति की है। वर्तमान समय में भारत में राजकीय (भारत सरकार) वायु परिवहन अ धकरणों- इण्डियन एअर लाईन, एअर इण्डिया, पवन हंस वायूदूत इत्यादि के साथ ही अंसख्य वदेशी व घरेलू निजी एअर लाईनें अन्तर्राष्ट्रीय के साथ-साथ घरेलू परिवहन सु वधाएं उपलब्ध करा रही हैं।

अध्ययन क्षेत्र हरिद्वार जनपद की सीमा में तो कोई एयरपोर्ट या हवाई प ी नहीं है कन्तु हरिद्वार से 40 कमी. दूर उत्तर में देहरादून जनपद में जौली ग्राण्ट नामक स्थान पर भारतीय वमान पत्तन प्रा धकरण द्वारा एक एयरपोर्ट वक सत कया गया है। इस एयरपोर्ट से अभी छोटे घरेलू यात्री और कार्गो वमान, हैलीकाप्टर ही उड़ान भरते और उतरते हैं। इसके साथ ही हरिद्वार स्थित पतंज ल योगपीठ में तथा कई अन्य आश्रमों में हैलीपैड स्था पत कए गए हैं। जहाँ पर समय-समय पर हैलीकाप्टर से आवागमन होता रहता है। आगामी सारणी सं. में जौलीग्राण्ट एयरपोर्ट से वमानों के आवागमन का ववरण दिया गया है।

सारणी सं. 2 हरिद्वार (जौलीग्राण्ट) के लए उपलब्ध वायु परिवहन सु वधा।

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

क्रम संख्या	परिवहन सेवा प्रदाता क	गन्तव्य स्थल	जौली ग्राण्ट (देहरादून)		प्लाइट
			आगमन	प्रस्थान	
1	एअर इण्डिया	नई दिल्ली–देहरादून	8:30, 17:50	10:30 19:00	1 2
2	इण्डिगो	नई दिल्ली–देहरादून	11:20, 13:00 16:35	12:35, 14:25 18:05	1 2 3
3	जेट एअरवेज	नई दिल्ली–देहरादून	6:05, 9:10, 12:05, 13:25, 14:25, 16:45	7:35, 10:40, 13:40, 15:05, 16:00 18:25	1 2 3 4 5 6
			17:30		7
4	स्पाइस जेट	नई दिल्ली–अहमदाबाद	11:40 15:15	13:00 16:15	1 2
5		पंतनगर–देहरादून	1:40	3:05	1
6		देहरादून– नैनी सैनी (पिथौरागढ़)	9:30	11:00	1
7		देहरादून–लखनऊ	13:50	14:42	1
8		देहरादून–मुम्बई	14:45	17:06	1
9		देहरादून–श्रीनगर	13:10	12:30	1
2017–18 (1 अप्रैल से 31 मार्च)		यात्री वायुयानों के फेरों की कुल संख्या	12,281		
		यात्रियों की संख्या	11,24,937		
मालवाहक वायुयानों की कुल		यात्राए या फेरे	219		

सोतः भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण ऑनलाईन डाटा।

उपरोक्त सारणी सं. 2 से स्पष्ट है क हरिद्वार-देहरादून-मसूरी तथा अन्य हिमालयी पर्यटक स्थलों व तीर्थ स्थलों के भ्रमण के लए पर्याप्त संख्या में यात्री हवाई यातायात का भी उपयोग करते हैं। रेलगा ड़यों और सड़क परिवहन की समस्याओं से बचने व कम समय में यात्रा पूरी करने के इच्छुक साधन-समपन्न यात्री व पर्यटक अब अ धका धक संख्या में वायु परिवहन का उपयोग करने लगे हैं। मदुराई, बेंगलुरू, हैदराबाद, मुम्बई, नागपुर, इन्दौर, लखनऊ, दिल्ली, चण्डीगढ़ और श्रीनगर से पर्यटक और तीर्थयात्री सीधे वमान से जौलीग्राण्ट होकर हरिद्वार की यात्रा करते हैं। अन्य स्थानों के निवासी उपरोक्त वायु अड्डों में पहुँचकर वहाँ से सीधे हरिद्वार (जौलीग्राण्ट

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

होकर) तीर्थनगरी हरिद्वार-ऋ षकेश व उत्तराखण्ड में स्थित छोटा चार धाम-गंगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ के दर्शन करते हैं। इसके साथ ही देहरादून, मसूरी, धनोल्टी, नई टिहरी, भैरों घाटी, फूलों की घाटी की यात्राएं भी की जाती हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय और घरेलू पर्यटक या तीर्थ यात्री हरिद्वार से लगभग 200 कमी. दूर नई दिल्ली के इन्दिरागाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (घरेलू ट र्मनल) तक वायुयान से तथा वहाँ से जौली ग्राण्ट हवाई अड्डे तक दूसरी परिवहन एयर लाईन से या फर रेल, बस, प्राइवेट टैक्सी इत्यादि से हरिद्वार तक आते हैं। छोटा चार धाम यात्रा हरिद्वार से ही प्रारम्भ होती है जिसमें दर्शनार्थी या पर्यटक गढ़वाल क्षेत्र में स्थित यमुनोत्री, गंगोत्री, केदारनाथ और बद्रीनाथ, औली, फूलों की घाटी अनेक ग्ले शयर्स की यात्रा करते हैं।

हरिद्वार में तीर्थाटन या पर्यटन करके कुछ यात्री उत्तराखण्ड हिमालयी क्षेत्रों स्थित अन्य तीर्थ स्थलों- ऋ षकेश, गगोत्री, यमुनोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ, रूद्रप्रयाग, कर्णप्रयाग, गोपेश्वर, हेमकुण्ड साहिब, नंदादेवी व पर्यटन केन्द्रों-देहरादून, मसूरी, धनोल्टी, टिहरी डैम, पंचेश्वर डैम, ह र्सल, औली, फूलों की घाटी, राजाजी राष्ट्रीय उद्यान, नन्दा देवी जैव मण्डल रिर्जव, गो.ब. पंत उच्च हिमालयी वन्य जीव अभ्यारण्य, जोशीमठ, पण्डर घाटी, माना व नीति घाटी, अनेक बुग्यालों (3600-4000 मीटर से अ धक ऊँचाई पर स्थित मुलायम घास के मैदान) को देखने भी जाते हैं। इसके साथ ही ये सभी पर्यटक व तीर्थयात्री वापस भी इसी मार्ग से आते हैं।

(ग) रज्जू मार्गः-

हरिद्वार नगर में स्थानीय रूप से ऊँचे भागों-1. मनसा देवी, हरिद्वार नगर व गंगा नदी के पश्चिम में शवा लक श्रेणी में और 2. चण्डीदेवी मंदिर, हरिद्वार व गंगा नदी के पूर्व में शवा लक श्रेणी में सड़क से ऊंची चोटी तक रज्जू मार्ग की सु वधा है। इससे पर्यटक व तीर्थयात्री सीढ़ियों की कठिन व थकाने वाली चढ़ाई चढ़ने से बच जाते हैं। प्रातःकाल 8.00 बजे से सायं 7.00 बजे तक इन रज्जू मार्गों का उपयोग पर्यटक व तीर्थयात्री खूब करते हैं। इसका द् वदिशा कराया 120 रू. प्रति यात्री है। इनका निर्माण, रख-रखाब व संचालन मण्डल वकास निगम द्वारा कया जाता है।

(घ) सड़क परिवहनः-

सड़क परिवहन आज के मानव समाज का सर्वा धक आवश्यक, सर्वका लक और महत्वपूर्ण आवागमन का साधन हैं। व भन्न स्तर और प्रकार की सड़कें- राष्ट्रीय राजमार्ग, राज्य स्तरीय राजमार्ग, प्रादे शक सड़कें, जिलास्तरीय और स्थानीय सड़कें (डामरीत या सीमेन्टेड) स्थानीय लोगों के साथ-साथ क्षेत्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर परिवहन के लए अपरिहार्य व आवश्यक होती हैं। सड़क मार्गों पर कोई यात्री या व्यक्ति अपनी सु वधानुसार निजी वाहन, सार्वजनिक वाहन, प्राईवेट टैक्सी या अन्य सवारी या माल वाहक वाहन का उपयोग करके सवारी और माल का परिवहन कर सकता है। इसके साथ ही सड़क मार्ग और उस पर चलने वाले वाहनों- ट्रैक्टर, दो पहिया, तिपहिया वाहन, कार, मनी बस, बस, ट्रक इत्यादि की सहायता से व्यक्ति, पर्यटक या सामान लोगों के

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

निजी घरों, कारखानों, प्रतिष्ठानों, आश्रमों, आ फसों, होटलों इत्यादि तक सुगमता से और आसानी से पहुँच सकता है। इस लए कम दूरी के परिवहन के लए सड़क मार्गों को यातायात का सर्वोपरि मार्ग और साधन माना जाता है।

सारणी सं. 3 हरिद्वार जनपद में राजमार्गों और सड़कों का ववरण **2013-14**

क्रम		विवरण	लम्बाई (किमी० में)
1		लोक निर्माण विभाग के अन्तर्गत	
	1.1	राष्ट्रीय राजमार्ग	111
	1.2	प्रान्तीय राजमार्ग	150
	1.3	मुख्य जिला सड़कें	151
	1.4	अन्य जिला और ग्रामीण सड़कें	963
		कुल योग	1375
2		स्थानीय निकायों के अन्तर्गत	
	2.1	जिला पंचायत	594
	2.2	नगर निगम/अन्य नगर क्षेत्र	645
		योग	1240
3		अन्य विभागों के अन्तर्गत	
	3.1	सिंचाई विभाग	47
	3.2	गन्ना विभाग	367
	3.3	वन विभाग	126
	3.4	अन्य विभाग	214
		योग	55
		कुल योग हरिद्वार जनपद	3370

स्रोतः हरिद्वार जनपद सांख्यिकीय पत्रिका, ता0 सं. 49 एवं 50 पृष्ठ–62, 2016–17

हरिद्वार नगर और जनपद में उपलब्ध सड़क परिवहन जाल का ववरण निम्न उपशीर्षकों के अन्तर्गत रखा जा सकता है-

(1) राष्ट्रीय राजमार्गः-

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

चार या अ धक लेन वाले ऐसे सड़क मार्ग जिनका निर्माण, रख-रखाव और कर वसूलने का अ धकारी केन्द्र सरकार के अ भकरण भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग अ धकरण ( ) के अधीन होता है राष्ट्रीय राजमार्ग कहलाते हैं। सामान्यतया इनका वस्तार एक से अदिक राज्य या केन्द्रशा सत क्षेत्रों में होता है। बढ़ते परिवहन और वाहन भार के कारण कसी भी मार्ग को राष्ट्रीय राजमार्ग का स्तर प्रदान कया जा सकता है।

(प) रा.रा.सं. **58-** यह राष्ट्रीय राजमार्ग उ.प्र. के गाजियाबाद से प्रारम्भ होकर मेरठ-मुजफ्फरनगर-लक्सर-रूड़की से हरिद्वार होकर ऋ षकेश-बद्रीनाथ होकर चमोली जनपद में स्थित माना गाँव तक जाता है। यह राष्ट्रीय राजमार्ग राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, पश्चिमी उत्तर प्रदेश और पंजाब की ओर से आने-जाने वाले यात्रियों व श्रद्धालुओं के लए सबसे महत्वपूर्ण मार्ग है। इस मार्ग से प्रतिदिन, मेला व त्यौहार के अवसरों पर हजारों बस, कार, टैम्पो ट्रैवलर, मालवाहक वाहन, ट्रैक्टर-ट्रा लयों व अन्य वाहनों से हजारों यात्री व पर्यटक हरिद्वार आते हैं।

(पप) रा.रा. सं. **72** तथा **72** - यह राष्ट्रीय राजमार्ग सहारनपुर (उ.प्र.) से नाहन (हिमाचल प्रदेश) छुटमलपुर हरिद्वार जनपद की पश्चिमी सीमा से होता हुआ देहरादून तक जाता है। हिमाचल प्रदेश, उत्तरी हरियाणा, चण्डीगढ़ और सहारनपुर की दिशा से आने वाले यात्री, पर्यटक, व्यापारी और आगन्तुक इस मार्ग का उपयोग करके हरिद्वार और देहरादून तथा उत्तराखण्ड के अन्य स्थानों की ओर जाते व वापस आते हैं।

(पपप) रा.रा.सं. **73-** यह राष्ट्रीय राजमार्ग रूड़की होकर सहारनपुर-यमुनानगर-पंचकुला (चण्डीगढ़) की दिशा में जाता है। जम्मू-कश्मीर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, उत्तरी हरियाणा, चण्डीगढ़ और सहारनपुर की दिशा से आने वाले यात्री, पर्यटक, व्यापारी और आगन्तुक इस मार्ग का उपयोग करके हरिद्वार और देहरादून तथा उत्तराखण्ड के अन्य स्थानों की ओर जाते व वापस आते हैं।

(पअ) रा.रा.सं. **74-** यह राष्ट्राय राजमार्ग देहरादून से हरिद्वार (उत्तराखण्ड) होकर नजीबाबाद-धामपुर-अफजलगढ़ (उ.प्र.)-जसपुर-काशीपुर-रूद्रपुर- कच्छा- सतारगंज (उत्तराखण्ड) से बरेली (उ.प्र.) तक जाता है। उत्तर प्रदेश के रूहेलखण्ड (मुरादाबाद-बरेलीः और उत्तराखण्ड के कुमाऊँ मण्डल सहित निकटवर्ती नेपाल के यात्री, पर्यटक, आगन्तुक और व्यापारी इस मार्ग का उपयोग करके हरिद्वार व गढ़वाल मण्डल के अन्य स्थानों को जाते हैं।

इसके साथ ही लखनऊ से आगे के उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, पश्चिमी बंगाल, असम व पूर्वोत्तर राज्यों के साथ-साथ मध्य प्रदेश से आने वाले पर्यटक और तीर्थ यात्री अन्य अनेकों मार्गों से आते हुए अन्ततः उपरोक्त राष्ट्रीय राजमार्गों से होकर ही हरिद्वार पहुँचते हैं।

उपरोक्त समस्त राष्ट्रीय राजमार्ग आगे चलकर देश के अन्य राष्ट्रीय और प्रान्तीय राजमार्गों से मल जाते हैं जो क सड़क मार्ग से अन्ततः पूरे देश को जोड़ते हैं तथा हरिद्वार आने व जाने के ले एक वृहद सड़क जाल का निर्माण करते हैं जहाँ से आगन्तुक, पर्यटन व तीर्थयात्री आसानी से साल भर हरिद्वार व अन्य स्थलों को आते रहते हैं।

अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी एवं सामाजिक विज्ञान शोध पत्रिका
Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

(2) प्रान्तीय राजमार्गः-

इनका निर्माण और रख-रखाव का कार्य प्रान्तीय लोक निर्माण वभाग द्वारा कया जाता है। अपेक्षाकृत कम महत्वपूर्ण व छोटे-नगरों, कस्बों, वकासखण्ड व तहसील मुख्यालयों को ये सड़कें आपस में जोड़ती हैं। ये सड़कें एकल या दोहरी लाईनयुक्त डामरीकृत होती हैं। ये राजमार्ग हरिद्वार जनपद के नगरों, कस्बों और प्रमुख गाँवों को जोड़ते हैं और व वध दिशाओं में अन्य जनपदों और राज्यों-उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और हरियाणा की ओर आगे निकल जाते हैं। इनमें स्थानीय व निकटवर्ती क्षेत्रों के लोगों व सामानों का आवागमन व परिवहन होता है।

सारणी सं. 3 से ज्ञात होता है क हरिद्वार जनपद में जिला परिषद औ र स्थानीय नगर निकायों के अन्तर्गत कुल 1240 कमी. लम्बी सड़कें हैं। उनका उपयोग जनपद वा सयों के साथ-साथ जनपद के बाहर से आने वाले आगन्तुक, पर्यटक और तीर्थयात्री भी करते हैं।

सारणी सं. **4** – हरिद्वार जनपद में यात्री सड़क परिवहन और यातायात **(2016-17)**

क्रम	परिवहन	दूरतम गन्तव्य
1	उत्तराखण्ड परिवहन निगम	धारचूला, मुन्स्यारी, चमोली, गंगोत्री, यमुनोत्री आदि चारों दिशाओं को बसों का संचालन होता है।
2	हिमाचल राज्य परिवहन निगम	सिरमौर, शिमला, मण्डी, मनाली, कुन्नूर, सोलन, बिलासपुर, कुल्लू, कांगड़ा, लाहौल, स्पीति, रामपुर आदि सभी क्षेत्रों को या से हरिद्वार से वाहन–आते व जाते हैं।
3	हरियाणा राज्य परिवहन निगम	हिसार, फतेहाबाद, जींद, कैथल, पानीपत, सोनीपत, रेवाड़ी, सिरसा, चण्डीगढ़ रोहतक, फरीदाबाद, यमुनानगर, कुरुक्षेत्र, अंबाला, गुरुग्राम आदि।
4	पंजाब राज्य परिवहन निगम	गुरदासपुर, होशियारपुर, मोगा, लुधियाना, फिरोजपुर, अमृतसर, पठानकोट, जालंधर, पटियाला, संगरूर, कपूरथला, रोपड।
5	दिल्ली राज्य परिवहन निगम	सम्पूर्ण दिल्ली, नई दिल्ली व राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र से व को।
6	राजस्थान राज्य परिवहन निगम	उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, बीकानेर, श्रीगंगानगर, सीकर, पाली, भरतपुर, अलवर, नागौर, अजमेर, जैसलमेर, बीकानेर, हनुमानगढ़ चुरू, झुंझनू, सवाईमाधोपुर आदि को।
7	उ0 प्र0 राज्य परिवहन निगम	सोनौली, देवरिया, गाजीपुर, वाराणसी, चन्दौली, मिर्जापुर, इलाहाबाद, गोरखपुर, चित्रकूट, झांसी, आगरा,
8	गढ़वाल मण्डल विकास निगम	यमुनोत्री, हरकीदून, त्यूनी, भैरोंघाटी, गंगोत्री, केदारनाथ, बद्रीनाथ, चकराता, नई टिहरी, श्री नगर, पौढ़ी, कोटद्वार, रूद्र प्रयाग, देव प्रयाग, लैंसडाऊन, गैरसैण, माना, नीति, सोमेश्वर, ऊखीमठ, गोपेश्वर, पिण्डर आदि।
9	कुमाऊँ मण्डल विकास निगम	मरचा, बालिंग, खैला, थाल; धारचूला, तेजम, ग्वालदम, बागेश्वर, पिथौरागढ़, कपकोट, टाकुला, अल्मोड़ा, डीडीहाट, द्वाराहाट, भिकियासैंण, मुक्तेश्वर, कौसानी, रानीखेत, तारीखेत, नैनीताल, रामनगर, कोटाबाग, हल्द्वानी, खटीमा, चम्पावत, लोहाघाट, रूद्रपुर, काशीपुर आदि।
10	निजी बस, टैक्सी व कार परिवहन संघ	उत्तराखण्ड, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, चण्डीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, पश्चिमी बंगाल आदि राज्यों के निजी बस व कार संचालक ट्रैवलर्स आदि बस, मिनी बस, कार, टैक्सी आदि का संचालन करते हैं।

स्रोतः हरिद्वार जनपद साख्यिकीय पत्रिका, हरिद्वार जनपद आपदा प्रबन्धन कार्ययोजना।

(2) आवासीय व्यवस्थाः-

कुछ समय के लए कराए के स्थान होटल्स, धर्मशाला या आश्रमों में ठहराव पर्यटन की एक आधारभूत शर्त है। ये ठहराव के स्थल पर्यटकों व तीर्थयात्रियों के लए आराम, सुरक्षा, मतव्ययिता, सुगमता व आसानी से पहुँच व पहुँच मार्गों के निकट स्थित होने चाहिए। इस दृष्टि से हरिद्वार

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

प्राचीनकाल से ही तीर्थयात्रियों को समु चत मात्रा में प्रदान करती रही हैं। सभी तरह के पर्यटकों के लए हरिद्वार जनपद में उपलब्ध आवासीय सु वधाओं का ववरण अग्र प्रकार रका जा सकता हैः-

क.आश्रमः-

हरिद्वार में 300 से अदिक आश्रम और धर्मशालाएं हैं जो 15000 से अदिक तीर्थ यात्रियों को मामूली शुल्क के भुगतान पर रात्रि वश्राम की सु वधा देते हैं। वर्षभर इन आश्रमों और धर्मशालाओं में यात्री भ्रमण करते रहते हैं। हरिद्वार के आश्रमों का सं क्षप्त ववरण निम्न प्रकार है-

1ण जयराम आश्रम- यह आश्रम ऋ षकेश मार्ग पर स्थित है जो उत्कृष्ट आवास सु वधाओं के लए प्र सद्ध है। इस आश्रम के पास ही पर्यटकों के ले बहुत ही आकर्षक संग्रहालय दर्शनार्थ बनाया गया है। मूर्तियों, हिन्दू देवताओं, दे वयों, राक्षसों से सम्बन्धित हैं। समुद्र मंथन अध्याय को दर्शाते हुए एक वशाल सफेद मूर्ति को दर्शाया गया है। यह भीमगोड़ा से 1 कमी. की दूरी पर है।

2ण कण्व ऋ ष आश्रम- यह आश्रम हरिद्वार से 42 कमी. की दूरी पर कोटद्वार में स्थित है। यहाँ पहुँचने के ले जंगल के मार्ग से होकर गुजरना पड़ता है। शहरी जीवन से परेशान प्रकृति प्रे मयों के लए यह आश्रम बहुत आकर्षक और मनोहारी है।

3ण मां आनन्दमयी आश्रम- यह आश्रम हरिद्वार के पाँच उपनगरों में से एक कमखल में स्थित है। यह भारत की एक प्रमुख सन्त श्री आनन्दमायी के स्मारक के रूप में स्था पत कया गया है। आश्रमवासी और इसके अनुयायियों द्वारा सम्पन्न होने वाली यहाँ की ट्वीलाईट आरती दर्शनीय व आकर्षक होती है।

4ण प्रेमनगर आश्रम- यह भी हरिद्वार के प्र सद्ध आश्रमों में से एक है। यह आश्रम योगीराज सतगुरूदेव श्रीहंस जी आकर्षक बनाया है। प्रेमनगर आश्रम अब अपने जीवन में शान्ति और मोक्ष प्राप्त करने वाले भक्तगणों के लए आध्यात्मिक अभ्यारण्य में परिवर्तित हो गया है जहाँ दुनिया के कोने-कोने से अनुयायी आते हैं।

5ण सन्तोषपुरी आश्रम- सन्तोषपुरी श्रम गंगा नदी के तट पर भारत माता मन्दिर के पास बेहद शान्तिपूर्ण वातावरण में स्थित हरिद्वार के प्रमुख आकर्षणों में से एक है। इस आश्रम को बनाने को बनाने वाले बाबा जी ने अब समा ध प्राप्त कर ली है। उनकी जर्मन अर्धां गनी और संतान आश्रम की व्यवस्था को संभालते हैं। यहाँ पर योग में शक्षण सु वधाएं प्रदान की जाती हैं। माताजी जिसे कहा जाता है वह सबसे निर्दोष और शुद्ध आत्मा है जो आज की दुनिया में व्यापक व्यावसायीकरण और बड़े पैमाने पर पूँजीवादी संस्कति में मौजूद हो सकती हैं।

6ण सप्तऋ ष आश्रम- सप्तऋ ष आश्रम हरिद्वार के पास एक सुन्दर जगह है, जहाँ सात महान ऋ षयों- कश्यप, व शष्ठ, अत्री, वश्वा मत्र, जामदगी, भारद्वाज और गौतम ने ध्यान कया था। गंगा उनकी तपस्या में व्यवधान नहीं उत्पन्न करती है बल्कि प्रत्येक ऋ ष के तपस्थल के चारों ओर सात भागों में खुद ही वभाजित हो जाती है।

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

इसे ही सप्त सरोवर के नाम से जाना जाता है। यहाँ गंगा सप्त सरोवर सप्तऋ ष आश्रम के सामने से होकर बहती है। एक आकर्षक, रमणीक और पारम्परिक आश्रम है।

7ण् सोहम आश्रम- सोहम स्वामी भारत के एक बड़े आधायत्मिक नेता और योगी थे। वह 20वीं शताब्दी के पहले भाग में बांग्लादेश के ढाका में उनका जन्म हुआ था तथा उनका वास्त वक नाम श्यामकांत बन्दोपाध्याय था। वह तिब्बती बाबा के अद्वैत वेदान्तीक अनुयायी थे। तिब्बती बाबा भारत का एक बड़ा योगी और मह ष था। सोहम स्वामी ने नैनीताल और हरिद्वार में सोहम आश्रम बनाया।

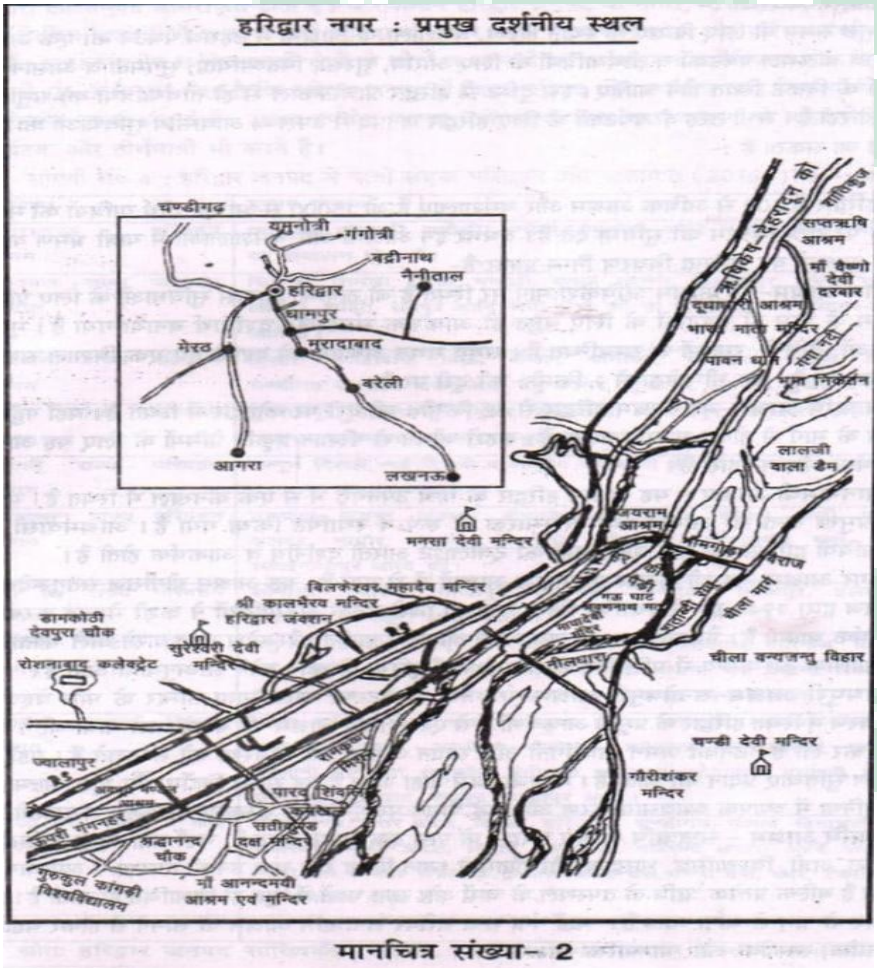

मानचित्र संख्या– 2

ख. हरिद्वार में होटल व्यवसायः-

हरिद्वार भारत का बहुत लोक प्रय तीर्थ यात्रा शहर बनकर उभरा है। हरिद्वार में कई प्रकार के होटल हैं। यहां लग्जरी, डीलक्स, मानक या बजट सभी प्रकार के होटल यात्रियों के लए उपलब्ध हैं। हरिद्वार में 350 से अ धक होटल व यात्री निवास गृह स्थित हैं। इण्डिया इजी ट्रिप प्राइवेट ल. के अनुसार इनका सं क्षप्त ववरण निम्न प्रकार है-

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

1ण होटल हवेली हरि गंगा हरिद्वार- हवेली हरि गंगा हरिद्वार यहाँ का सबसे लोक प्रय होटलों में से एक है। यह होटल हर की पैड़ी के निकट ही स्थित है। यदि आप हर की पैड़ी के निकट रात्रि वराम करना चाहते हैं तो यह होटल सर्वोत्तम वकल्प है। हवेली हरि गंगा 1913 में पीलीभीत के शाही परिवार द्वारा शाही मेहमानों के ठहरने के लए बनायी गयी हवेली है जिसे आज की पर्यटक जरूरतों के अनुसार रूपान्तरित कया गया है। हर की पैड़ी से गुजरने वाली गंगा की धारा इसके निकट से होकर प्रवाहित होती है जिसमें बने घाटों में आप स्नान कर सकते हैं। इस होटल में 20 से अ धक शानदार कमरे, मल्टी पाक शाकाहारी रेस्तरां, स्पा, योगा और ध्यान सु वधाएं हैं। अब इसके आस-पास व्यावसायिक दुकाने वकसति हो गयी हैं।

2ण होटल गंगा लहरी- यह कुशा घाट के व्यस्त बाजार में स्थित है। यह शानदार सुख और गर्म आ थत्य प्रदान करता है। हर की पैड़ी में प्रतिदिन होने वाली चहल-पहल यहाँ से दर्शनीय है। इसका प्रबन्धन प्रसाद ग्रुप द्वारा कया जाता है। होटल का वातावरण बहुत ही आत्मिक व अंतरंगी है। इसमें 16 शानदार व भव्य कमरे हैं। गंगा लहरी पर्यटक व श्रद्धालु की हरिद्वार यात्रा को एक सुखद, यादगार और आरामदायक बनाना सुनिश्चित करता है।

3ण होटल कन्ट्री इन- यह हरिद्वार में स्थित चार सतारा होटल है। यह हर की पैड़ी से 15 मनट की कार यात्रा दूरी पर स्थित है। इसमें 56 एक्जीक्यूटिव कमरे हैं। इस होटल में तीन कार्यकारी सूट, दो प्री मयम सूट और एक प्रेसीडेन्सियल सूट है। इसमें स्थित मोजैक एक बहु व्यंजन रेस्तरां है जो अपने शानदार डनर के लए प्र सद्ध है। यहाँ स्थित एट्रियम कॉफी व पेय लाउन्ज है जो आपको अपनी ओर आक षत करता है। होटल की सातवीं मंजिल में स्थित सॉ लड्यूड स्पा में आप अपना रूप निखार सकते हैं। यहाँ स्थित फटनेस सेन्टर शारीरिक व्यायाम के लए आदर्श जगह है।

4ण होटल गॉड वन हरिद्वार- यह ऋ षकेश रोड पर पावन गंगा नदी के दाएं कनारे पर स्थित चार सतारा होटल है। यहाँ पर स्वी मंग पूल, गंगा तट और पूल बेड, लॉन तथा उपवन भी स्थित है। हरकी पैड़ी घाट, मनसा देवी और गोल्डन मशरूम नाम से बहु व्यंजन रेस्तरा हैं जो केवल शाकाहारी व्यंजन परोसता है। इसमें कैफे रोड बी है जो 24 घण्टे कॉफी लाउन्ज और जंगल बार व भन्न ब्राण्ड के तरल पदार्थ और हॉट स्मै कंग गर्म ठण्डा कॉफी की सेवा देता है। सभी वातानुकू लत कमरे और सैटेलाइट टेली वजन, इंटरकाम और डीटीएच सेवा से जुड़े हैं।

5ण होटल ग्रांड शवा- स्टाइ लश ढंग से सुसज्जित और हरिद्वार में ठहरने के लए सबसे उपयुक्त स्थान में से एक पाया जा सकता है। होटल ग्रांड शवा हरिद्वार में शानदार होटल, व्यापार और अवकाश यात्रियों के लए शानदार आ थत्य सेवाएं प्रदान करता है। पेशेवर कर्मचारियों, आधुनिक सु वधाओं, आराम और लागत दक्षता की लग्जरी

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

हरिद्वार में इस डीलक्स होटल की प्रमुख हाइलाइट्स हैं। कमरे और सूट के पाँच श्रे णयां हैं- डीलक्स, रॉयल, प्री मयम, परिवार और प्रेसीडेन्ट आदि।

6ण् होटल गंगा- हरिद्वार के केन्द्र हर की पैड़ी से प वत्र गंगा नदी और 2 कमी. की दूरी का सामना करते हुए होटल गंगा व्यू से परे आध्यात्मिक प्रे मयों के लए एक आदर्श वश्राम स्थल है। तीन मंजिलों में फैले सभी 36 आ थत्य कक्ष सेवा प्रदान करते हैं। मेहमानों को इन हाउस रेस्तरां में शानदार भोजन परोसा जाता है। हरिद्वार में यह बजट होटल व्यापार यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने में सक्षम है। इसमें 3000 वर्गफुट सम्मेलन कक्ष की भी सु वधा है।

7ण् अन्य सामान्य होटल- हरिद्वार शहर में 350 से अ धक अन्य सामान्य यात्री निवास व होटल, लाउन्ज इत्यादि हैं जिनमें पर्यटक व तीर्थयात्री रात्रि वश्राम कर सकते हैं।

(3) खान-पान व भोजनः-

खान-पान और अल्पाहार पर्यटन व्यवसाय का दूसरा पूरक व्यवसाय व सु वधा है। हरिद्वार जनपद में तीर्थयात्रियों, पर्यटकों और दैनिक आवागमन करने वालों और व भन्न वाहनों के चालकों के लए शाकाहारी और अन्य सभी प्रकार के रेस्तरां, भोजनालय, ढाबे, टी स्टाल इत्यादि पर्याप्त संख्या में और उच्च क्वा लटी में उपलब्ध हैं। लगभग अ धकतर होटलों, व यात्री निवास गृहों में भोजनालय, कॉफी कॉर्नर की भी सु वधा है। इनमें प्रातःकालीन अल्पाहार, नाश्ता, लंच और डनर की सु वधा भी उपलब्ध है।

(4) पेयजलापूर्तिः-

मानव स्वास्थ्य व दैनिक आवश्यकता के लए स्वच्छ जल की आवश्यकता होती है। यद्य प गंगा का जल शुद्ध व प वत्र है तथा प उसे प्रत्यक्षतः मानव द्वारा पया नहीं जा सकता। पीने व अन्य दैनिक क्रयाओं-भोजन पकाने, घर व सामान की साफ-सफाई, कपड़ों की धुलाई, पीने आदि के लए स्वच्छ जल की आवश्यकता होती है। इसकी आपूर्ति भू मगत स्वच्छ जल भण्डार का दोहन करके शरोस्य टं कयों में भरकर या वद्युत चा लत शक्तिशाली मोटरों द्वारा पाइप लाइनों के माध्यम से लोगों के घरों, आश्रमों, धर्मशालाओं, स्कूल, कॉलेज, होटलों, भोजनालयों, रेस्तरों, बाजार व अन्य प्रतिष्ठानों में आपूर्ति कया जाता है।

(5) वद्युत व्यवस्थाः- वद्युत और वद्युत चा लत उपकरण व मशीनें आज के मानव जीवन की नितान्त अनिवार्य आवश्यकता बन गयी है। आज सार्वभौतिक रूप से मानव जीवन वद्युत की समु चत व सुचारू आपूर्ति पर निर्भर हो गया है। घरों, आश्रमों, धर्मशालाओं, मन्दिरों, मठों व अन्य धा र्मक स्थलों, होटलों, बाजारों, नगरीय आवागमन के क्षेत्र, रेल व रोपवे संचालन में सतत् वद्युतापूर्ति अनिवार्य हो गयी है।

(6) शै क्षक व्यवस्थाः-

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

हरिद्वार आध्यात्मिक, धा र्मक, वैदिक, तकनीकी, वैज्ञानिक व आधुनिक शक्षा का केन्द्र रहा है। प्राचीन काल से ही कठिन तप, ध्यान, योग साधना के लए देश- वदेश से वद्वान हरिद्वार, ऋ षकेश और उच्च हिमालयी क्षेत्र में स्थित क्षेत्रों को आते रहे हैं। वर्तमान समय में हरिद्वार में गुरूकुल कांगड़ी वश्व वद्यालय, भारतीय संस्कृति वश्व वद्यालय, शान्तिकुंज, गायत्री परिवार, पतंज ल योगपीठ वश्व वद्यालय और व भन्न आश्रमों में स्थित आध्यात्मिक और धा र्मक केन्द्र ज्ञानार्जकों को व भन्न प्रकार की शक्षा प्रदान कर रहे हैं।

(7) च कत्सा व्यवस्थाः-

स्थानीय नगर निवा सयों और आस-पास के क्षेत्र के निवा सयों की च कत्सीय व उपचारात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति के लए हरिद्वार जनपद में अनेक प्रकार के च कत्सा प्रतिष्ठान और च कत्सालय, औषधालय स्थित हैं। इनमें सरकारी, निजी और आश्रमों, ट्रस्टों तथा गैर सरकारी संगठनों द्वारा संचा लत कए जा रहे हैं।

(8) सुरक्षा**,** अनुशासन व शान्ति व्यवस्थाः-

सुरक्षा, शान्ति व अनुशासन पर्यटक स्थलों के चुनौतीपूर्ण कार्य होते हैं। ऐसे स्थानों पर जेबकतरों, ठगों, धोकेबाजों, और अन्य प्रकार के शरारती तत्वों का जमघट भी लगा रहता है। हरिद्वार व आस-पास के क्षेत्रों में वशेषतः मेलों, पर्वों, त्यौहारों, कुंभमेला आदि के अवसर पर इनकी अवैध गति व धयां बढ़ जाती हैं। इसके साथ ही वाहन चालकों द्वारा आपाधापी मचाने, यहाँ-वहाँ वाहन पार्क करने, वाहन खराब होने, एक्सीडेंट होने आदि के कारण पूरा यातायात बा धत हो जाता है। साथ ही सामान्य नगरवा सयों की सुरक्षा, शान्ति व्यवस्था और सुचारू परिवहन व अन्य नागरिक सु वधाओं, संसाधनों की सुरक्षा आदि के लए भी पु लस, न्यायालय और अन्य संगठनोंस संस्थाओं की आवश्यकता होती है। इसके लए कुंभनगरी हरिद्वार नगर और जनपद में तीन स्तरीय सुरक्षा कर्मकार नियुक्त कए गए हैं।

(प) सरकारी- केन्द्रीय सशस्त्र बल और उत्तराखण्ड के प्रान्तीय सशस्त्र बल तथा नागरिक पु लस, यातायात पु लस, फायर स र्वस, होमगार्ड्स आदि।

(पप) सामाजिक- व भन्न सामाजिक संगठनों के स्वयंसेवी।

(पपप) वैयक्तिक- निजी सुरक्षा एजेन्सियों के गार्ड।

चोर, लुटेरे, ठगों, अराजक तत्वों और वन्य जीवों से नागरिकों की सुरक्षा वर्तमान समय में एक प्राथ मक आवश्यकता बन गयी है। हरिद्वार में सामान्यतया व मेलों, उत्सवों, त्यौहारों के दौरान अपार मानव समुदाय एकत्रित होता है। इस जनसमूह में आपाधापी और बेतरतीव चलने, वाहनों के अनियन्त्रित ढंग से चलने, पा र्कंग करने से पूरा शहर ठप हो जाता है। जरा सी अफवाह पर भगदड़ मच सकती है। मंदिरों, आश्रमों, गंगा नदी के घाटों, रज्जू मार्ग इत्यादि में कभी भी अव्यवस्था और भगदड़ मच सकती है। इस सभी अ प्रय स्थिति से बचने व सामान्य प्रशासन के लए हरिद्वार जनपद में पर्यटकों और तीर्थयात्रियों, बाजारों, स्थानीय निवा सयों की सुरक्षा व शान्ति व्यवस्था के लए पु लस व सुरक्षा बल उपलब्ध/तैनात हैं.- जैसे- पु लस-(वरिष्ठ पु लस अधीक्षक- 1, पु लस अधीक्षक- 2, पु लस

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका

क्षेत्रा धकारी- 5, कोतवाल- 7, पु लस थाना- 8, निरीक्षक- 10, उपनिरीक्षक- 15, आरक्षी- 150 (महिला व पुरूष)। होमगार्ड- कमॉण्डेंट के नेतृत्व में 300 से अ धक जवान। पी. ए. सी. बल- समु चत संख्या में। इसके अलावा समय-समय पर आवश्यकतानुसार आपदा प्रबन्धन और राहत बल, अर्द्धसैनिक बल, एन. सी. सी., स्काउट एण्ड गाईड, एन. एस. एस., नागरिक सुरक्षा कोर, स्वयंसेवक और अन्य का नियोजन और तैनातनी जनपद प्रशासन द्वारा की जाती है।

अतः कहा जा सकता है क हिन्दू-मुस्लिम, सख और अन्य धर्मानुयायियों तथा नितान्त पर्यटक दृष्टि से हरिद्वार आने वाले तीर्थयात्रियों, पर्यटकों, अध्ययनकर्ताओं, प्रशासकों, व्यापारियों, व शष्टजनों के लए पर्यटन व अवलोकन की सु वधाऐं व उत्पाद उपलब्ध कराने के लए हरिद्वार नगर और जनपद में नागरिक और सार्वजनिक सु वधाओं का आधार काफी व्यापक, व वधरूपीय व बहुआयामी है।

सन्दर्भः-

1. हरिद्वार जनपद सांख्यिकीय पत्रिका- 2011, 2014, 2017
2. हरिद्वार जनपद हस्तपुस्तिका भाग 12 अ एवं ब भारत की जनगणना 2011
3. हरिद्वार जनपद एन.आई.सी.इन।
4. हरिद्वार जनपद सामाजिका र्थक समीक्षा 2016-17
5. पर्यटन मन्त्रालय, भारत सरकार वा र्षक रिपोर्ट 20119-10, 2017-18
6. हरिद्वार द डवाईन गेटवे टू देवभू म, उत्तराखण्ड टूरिज्म डेवलपमेन्ट बोर्ड।
7. टूरिज्म एण्ड इकॉनोमोनिक डेवलपमेन्ट, कुमार निर्मल, 1996
8. पर्यटन एवं यात्रा के सद्धान्त, जगमोहन नेगी, 1996
9. उत्तराखण्ड समग्र ज्ञानकोश, डा. गजेन्द्र प्रसाद चमोली।
10. पर्यटन भूगोल, डा. एस. के. शर्मा और डा. आर. पी. संह, नेहा पब्लिकेशन्स, बरेली।
11. पर्यटन में भूगोल डा. संजय कुमार शर्मा, तक्ष शला प्रकाशन, दिल्ली।
12. पर्यटन वकास बोर्ड, उत्तराखण्ड एवं उत्तर प्रदेश सरकार के शासनादेश, एडवाईजरी एवं सूचनाएं।
13. जनपद आपदा प्रबन्ध कार्ययोजना (हरिद्वार जनपद) - 2017
14. बाढ़ सुरक्षा प्रबन्ध योजना (हरिद्वार) - 2017
15. हरिद्वार नगर निगम ई-पत्रिका जनवरी और मई 2018
16. सड़क सुरक्षा पाकेट बुक, सड़क परिवहन और राष्ट्रीय राजमार्ग मन्त्रालय, भारत सरकार।
17. इण्डिया टूरिज्म स्टैटिस्टिक्स, एट ए ग्लांस, गवर्नमेन्ट आफ इण्डिया- 2017
18. ट्रैवल एण्ड टूरिज्म, इकॉनो मक इम्पैक्ट 2018, इण्डिया, वर्ल्ड टैवल एण्ड टूरिज्म काउ संल।
19. उत्तराखण्ड टूरिस्ट गाईड मैप, उत्तराखण्ड टूरिज्म डपार्टमेन्ट।

Volume 7, Issue4, (October-December 2019)
Impact Factor: 5.659 [ISSN: 2348 - 2605]
Peer Reviewed Refereed शोध पत्रिका